ओपीएफ -ई-पत्रिका

आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर

Ordnance Parachute Factory, Kanpur

ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई/A UNIT OF GLIDERS INDIA LTD

नेपियर रोड/NAPIER ROAD,कैन्ट/CANTT, कानपुर/KANPUR-208004

भारत सरकार का उपक्रम/GOVT. OF INDIA ENTERPRISE, रक्षा मंत्रालय/MINISTRY OF DEFENCE

अंक-01 | 01 | नवंबर 2023

महाप्रबंधक महोदय की लेखनी से.....

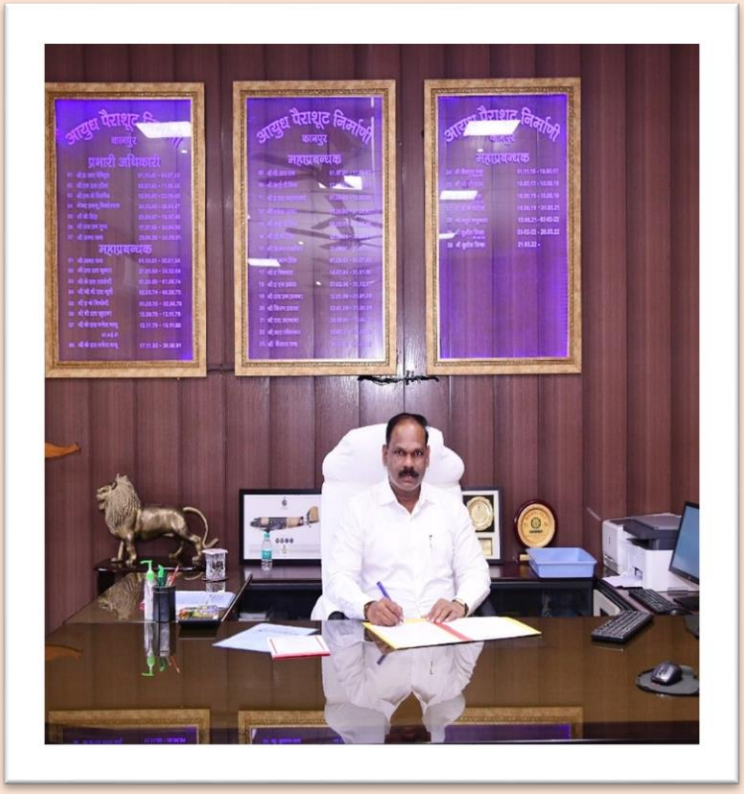

एम.सी.बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक/ओपीएफ

मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि टीम ओपीएफ द्वारा मासिक ई-समाचार पत्र 'ओपीएफ ई-पत्रिका' का प्रकाशन किया जा रहा है। 'ओपीएफ ई-पत्रिका' के प्रथम अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे गर्व एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। प्रस्तुत अंक नवंबर माह में निर्माणी में हुए विविध कार्यक्रम यथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023, गुणवत्ता माह 2023, निर्माणी में विशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर आयोजित विविध कार्यक्रमों, निर्माणी में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु समर्पित विशेष स्तंभ 'राजभाषा चिंतन' तकनीकी लेख एवं स्वास्थ्य संबंधी लेखों से अभिपूर्ण है।

इस ई-पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य मक़सद विभिन्न भाव-पुष्पों के द्वारा संगठन से संबंधित सभी जानकारियों को एक सूत्र में पिरोकर सुन्दरता के साथ प्रस्तुत करना है। इसमें पैराशूट परिवार से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के मौलिक आलेख (तकनीकी एवं अन्य विविध विषयों से जुड़े हैं) शामिल किए जाएंगे, जो सभी के लिए प्रेरक एवं ज्ञानवर्द्धक साबित होंगे।

हमारी यह पहल इस माह से आरंभ होकर निरन्तर जारी रहेगी। आप सभी अपना सहयोग बनाते हुये इस पत्रिका को नया आयाम प्रदान करते रहें, जिससे यह ई-पत्रिका अपनी सार्थक भूमिका निभा सके। मैं 'ओपीएफ ई-पत्रिका' के प्रकाशनार्थ संपादक मंडल के अतिरिक्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को बधाई देता हूँ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023

प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर सभी कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। निर्माणी के महाप्रबंधक श्री एम.सी. बाला सुब्रमणियम के कुशल नेतृत्व में दिनांक 30.10.2023 से 05.11.2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह इस वर्ष की थीम **भ्रष्टाचार को ना कहे , राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें (Say no to corruption; commit to the nation)** के साथ आयोजित किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरूआत महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारीगण, अनुभागाध्यक्षगण, जेसीएम द्वितीय, जेसीएम तृतीय, जेसीएम चतुर्थ, कार्यसमिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं यूनियन एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री की उपस्थिति में की गई। महाप्रबंधक महोदय एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर श्री एस. बैनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक ने महाप्रबंधक महोदय का पुष्पगुच्च देकर स्वागत किया। महाप्रबंधक महोदय ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री विवेक गुप्ता, संयुक्त महाप्रबंधक ने भारत के राष्ट्रपति का, श्री कोनन कुमार टोप्पो, संयुक्त महाप्रबंधक ने भारत के उप राष्ट्रपति के संदेश का एवं श्री अमर दीप कुमार, कार्यप्रबंधक ने भारत के प्रधान मंत्री के संदेशों का वाचन किया। श्री राजेश कुमार, कनिष्ठ कार्य प्रबंधक ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान अन्य कार्यक्रमों के साथ-साथ दिनांक 01.11.2023 से दिनांक 03.11.2023 तक क्रमशः निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में निर्माणी के कार्मिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

"आत्मविश्वास सरीखा दूसरा मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहायक होता है "... स्वामी विवेकानंद

वाद-विवाद प्रतियोगिता में **''भ्रष्टाचार के निवारण में तकनीक एक महत्वपूर्ण कारक है''** विषय पर निर्माणी के कार्मिकों ने अपनी प्रस्तुति दी। दिनांक 04.11.2023 को निर्माणी में कार्मिकों को सतर्कता जागरूकता संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से निर्माणी के एचआरडी अनुभाग के प्रशिक्षण कक्ष में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन दिनांक 06.11.2023 को निर्माणी मुख्य सभाकक्ष मे किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम एवं विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर टी. रजनीश की गरिमामयी उपस्थिति में की गई। महाप्रबंधक महोदय ने ब्रिगेडियर टी. रजनीश का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। ब्रिगेडियर टी रजनीश ने सतर्कता जागरूता सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया । महाप्रबंधक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि ओपीएफ का हर सदस्य ईमानदारी को अपनी जीवन शैली के रूप में अपनाए एवं अपनी हर कार्य में पारदर्शी, सरल एवं सहज रहकर देश की सेवा में अपना योगदान दें। कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा द्वारा महाप्रबंधक महोदय , ब्रिगेडियर टी. रजनीश, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करने के बाद इस कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विविध दृश्य

उदघाटन समारोह एवं समापन समारोह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह को दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत कार्मिकों का विवरण

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	प्राप्त श्रेणी	विजयी प्रतिभागियों नाम	पद	अनुभाग
01	निबंध लेखन	प्रथम	श्री विजय कुमार सुथार	कार्यवेक्षक	पी2
		द्वितीय	श्री अनिल कुमार शुक्ला	कार्यवेक्षक	एफएंडए
		तृतीय	श्री मिंकू कुमार	कार्यवेक्षक	पीवी
02	वाद-विवाद प्रतियोगिता	प्रथम	कु. रुचि यादव	कार्यवेक्षक	क्यूसी(एम)
		द्वितीय	श्री सागर कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	एमएस
		तृतीय	कु. रक्षा देवी	अवर श्रेणी लिपिक	एफएंडए
03	पोस्टर प्रतियोगिता	प्रथम	श्री अनिल कुमार शुक्ला	कार्यवेक्षक	एफएंडए
		द्वितीय	कु. हर्षिता शर्मा	डिप्लोमा प्रशिक्षु	एचआरडी
		तृतीय	श्री मिंकू कुमार	कार्यवेक्षक	पीवी
04	नारा/स्लोगन प्रतियोगिता	प्रथम	श्रीमती भारती	टेलर, एच-II	पी 2
		द्वितीय	श्री ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय	परीक्षक	क्यूसी(पी)
		तृतीय	श्री रूप सिंह चौहान	कार्यवेक्षक	एलबी

योग्यता एक चौथाई व्यक्तित्व का निर्माणी करती है, और व्यक्तित्व व्यवहार से बनते हैं..... मोहन राकेश

सतर्कता जागरूकता सप्ताह में पुरस्कृत स्लोगन

रन फॉर यूनिटी के लिए मार्च

स्लोगन	विजेता प्रतिभागी का विवरण
भ्रष्टाचार मुक्त भारत का आओ करें निर्माण। हक न टूटे किसी का, रहे अडिग दीन-ईमान।।	**प्रथम पुरस्कार** **श्रीमती भारती/टेलर, एच-II** **पी2 अनुभाग**
भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है ।।	**द्वितीय पुरस्कार** **श्री ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय/परीक्षक** **क्यूसीपी अनुभाग**
जब हर नागरिक बनेगा जागरूक और जिम्मेदार। तो कहीं भी पैर नहीं पसार पाएगा भ्रष्टाचार।।	**तृतीय पुरस्कार** **श्री रूप सिंह चौहान** **कार्यवेक्षक/एलबी अनुभाग**

मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज गुप्ता का निर्माणी आगमन

दिनांक 02.11.2023 को मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज गुप्ता, आईटीएस का निर्माणी आगमन हुआ। निर्माणी आगमन पर उनका श्री एम, सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक/ओपीएफ ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने निर्माणी की विविध उत्पादनशालाओं में उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की एवं प्रदर्शनी कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा की बदलते परिदृश्य में अपने उत्पादों को प्रासंगिक बनाना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा कि जीआईएल की एक मात्र विशिष्ट इकाई ओपीएफ इस दिशा में निरंतर गतिशील है। श्री पंकज गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि डीपीएसयू बनने के बाद जैसे संगठन का संरचनात्मक स्वरूप बदला है , ओपीएफ के अधिकारियों की टीम उच्च क्षमता एवं दक्षता के साथ समावेशी प्रयासों से प्रबंधन कार्यों में जुटी है। निर्माणी में सकारात्मक वातावरण देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए।

मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज गुप्ता के निर्माणी आगमन की झलकियाँ

पुष्प गुच्छ देकर श्री पंकज गुप्ता का स्वागत करते महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम

प्रदर्शनी कक्ष का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज गुप्ता

जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के.तिवारी द्वारा निर्माणी के कार्मिकों को विशेष उपलब्धि अवार्ड

दिनांक 06.11.2023 को जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी, निदेशक संचालन एवं मानव संसाधन श्री सुनील दाते एवं निदेशक वित्त श्री सुनील धापोडकर का कैंटीन हाल में ओपीएफ के महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इन सभी पदाधिकारियों के निर्माणी आगमन का मुख्य उद्देश्य निर्माणी के कार्मिकों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों पर पुरस्कृत करना था। श्री वी.के.तिवारी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/जीआईएल ने श्री वी.आर.रावत, सहायक कार्यप्रबंधक को पैराशूट को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापरक बनाने एवं उच्चतम उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अक्टूबर माह हेतु विशेष उपलब्धि अवार्ड से सम्मानित किया। श्री रावत मेंटीनेंस, पीएंडडी, फॉयर ब्रिगेड, सेफ्टी, औद्योगिक कैंटीन, ट्रेड एवं यार्ड एवं स्टेट अनुभागों के विभागीय अधिकारी हैं । उनके नेतृत्व में उपरोक्त अनुभाग अपना-अपना कार्य उत्कृष्टता से संपादित कर रहे हैं। पी 2 अनुभाग में कार्यरत श्री प्रदीप कुमार, कार्यवेक्षक को उत्पादनशाला में सामाग्री समय से उपलब्ध कराने संबंधी उत्कृष्टता हेतु माह का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति अवार्ड से एवं कर्मचारी वर्ग के लिए कु. रुचि यादव, कार्यवेक्षक श्रीमती विभा शर्मा, टेलर/उच्च कुशल I एवं श्रीमती वंदना त्रिपाठी टेलर, उच्च कुशल I को भी उनके अभूतपूर्व कार्यों के लिए

सपना वो नहीं जो आप नींद में देखें , सपने वो हैं जो आपको नींद आने ही ना दें ..... डॉ. ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम

अक्टूबर माह के लिए विशेष उपलब्धि अवार्ड से जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया । इस सम्मान समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि विशिष्ट गुणवत्ता के साथ पैराशूट्स का उत्पादन करके पैराशूट निर्माणी के कार्मिकों ने विशिष्ट कार्य किया है। इस प्रकार का परिवर्तन आज के बदलते परिवेश में प्रशंसनीय है। ओपीएफ के महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम ने निर्माणी के कार्मिकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पूरी लगन एवं निष्ठा से कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हम अपना लक्ष्य सिद्ध कर लेते हैं। आईटी अनुभाग के विभागीय अधिकारी एवं कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा के दिशा-निर्देशन में आईटी अनुभाग के अनुभागाध्यक्ष एवं कनिष्ठ कार्यप्रबंधक श्री आलोक दुबे, कनिष्ठ कार्यप्रबंधक श्री आर.डी.बाजपेई , कार्यवेक्षक श्री मौसम कुमार एवं परीक्षक श्री अवनीश कुमार द्वारा कियॉस्क में ऑकड़ों को अद्यतन किया गया। सम्मान समारोह में जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पहल करते हुए निर्माणी के कार्मिकों के लिए उपरोक्त कियॉस्क का उदघाटन किया। कियॉस्क का लिंक निर्माणी के आंतरिक/कॉमनेट opf.com पर भी उपलब्ध है जिसे निर्माणी का कोई भी कार्मिक एक्सेस कर सकता है।

सम्मान समारोह के विविध दृश्य

जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के.तिवारी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम

कार्य प्रबंधक श्री वी.के. रावत एवं कार्यवेक्षक श्री प्रदीप कुमार का स्वागत करते हुए प्रबंध निदेशक श्री वी.के.तिवारी

सभा को संबोधित करते हुए कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा

कियॉस्क का उदघाटन करते हुए जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के.तिवारी एवं महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम

माह का सर्वश्रेष्ठ गैंग अवार्ड-2023

पी6 अनुभाग में श्री संजय कुमार बाजपेई, कनिष्ठ कार्य प्रबंधक के नेतृत्व वाली गैंग सं. 238 के कार्मिकों को 70 प्रतिशत लाभ एवं उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अक्टूबर माह 2023 के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड के लिए चुना गया। दिनांक 06.11.2023 के सम्मान समारोह में ही इन कार्मिकों को जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी ने सम्मानित किया।

सम्मानित कार्मिकों की सूची

नाम	पद	नाम	पद
श्री अभय कु.शुक्ला	परीक्षक, उच्च कुशल II	श्री रेमन्ड जे. युसूफ	टेलर, एमसीएम
श्री कमलेश कुमार	टेलर, एमसीएम	श्री अखिलेश्वर सिंह	टेलर, एमसीएम
श्री कामिल खान	टेलर, उ.कु.I	श्री ओम प्रकाश शर्मा	टेलर, एमसीएम
श्री राजकिशोर	टेलर, उ.कु.I	श्री बीरवल वर्मा	टेलर, उ.कु.I
श्री संजय पुरी	टेलर, एमसीएम	श्री धीरज कुमार कान्हा	टेलर, उ.कु.II
श्री अमित कुमार	टेलर, एमसीएम	श्री वशीष्ठ मुनीमल	टेलर, एमसीएम
श्री मो. शहनवाज	टेलर, एमसीएम	श्री सैय्यद अहमत हुसैन	टेलर, उ.कु.I
श्री एम.एस. कुशवाहा	टेलर, एमसीएम	श्री शशि कान्त राम	उ.कु.I
श्री प्रदीप गुप्ता	टेलर, उ.कु. I	श्री वीरेन्द्र कु. शर्मा	उ.कु.I लेबर

आपके सिवाय आपकी खुशियों का नियंत्रण किसी और के पास नहीं है। इसलिए आपके पास अपनी किसी भी स्थिति को बदलने की शक्ति है।..... बारबारा डे एंजेलिस

गुणवत्ता माह नवंबर 2023

निर्माणी में नवंबर गुणवत्ता माह के रूप मे मनाया गया। इस वर्ष निर्माणी में गुणवत्ता एक कार्य नहीं, यह एक आदत है **(Quality is not an act, It is a habit)** के थीम के साथ बड़े ही जोश के साथ एक पर्व के रूप में मनाया गया। गुणवत्ता माह की शुरूआत महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारीगण, अनुभागाध्यक्षों, जेसीएम द्वितीय, जेसीएम तृतीय, जेसीएम चतुर्थ, कार्यसमिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं यूनियन एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री की उपस्थिति में की गई। महाप्रबंधक महोदय एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एंव दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। महाप्रबंधक महोदय ने सभा में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को 'गुणवत्ता शपथ' दिलाई। श्री एस. कोन्डैया, कनिष्ठ कार्य प्रबंधक ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विविध कार्यक्रमों की कड़ी में पोस्टर, निबंध लेखन, स्लोगन एवं नारा प्रतियोगिताओं का आयोजन क्यूसी(एम) अनुभाग द्वारा किया गया। दिनांक 30.11.2023 को अस्थाई प्रभारी अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गुणवत्ता माह के समापन समारोह का आयोजन किया गया। अस्थाई प्रभारी महोदय ने उपरोक्त प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

गुणवत्ता माह के विविध दृश्य

गुणवत्ता माह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागी की सूची

क्रस.	प्रतियोगिता का नाम	विजेता प्रतिभागियों नाम	पद	अनुभाग	प्राप्त श्रेणी
01	पोस्टर प्रतियोगिता	श्रीमती भारती	टेलर/ एचएस-II	पी 2	प्रथम
		श्री मिंकू कुमार	कार्यवेक्षक	पीवी	द्वितीय
		श्री विजय कुमार सुथार	कार्यवेक्षक	पी2	तृतीय
02	निबंध लेखन प्रतियोगिता	श्री मिंकू कुमार	कार्यवेक्षक	पीवी	प्रथम
		श्री सुधांशू आर्या	टेलर/उकु II	पी4	द्वितीय
		कु. अनीता गुप्ता	डिप्लोमा प्रशिक्षु	एचआरडी	तृतीय
03	नारा/स्लोगन प्रतियोगिता	श्री विजय कुमार सुथार	कार्यवेक्षक	पी2	प्रथम
		श्री सुधांशू आर्या	टेलर/उकु II	पी4	द्वितीय
		श्रीमती भारती	टेलर, एच-II	पी 2	तृतीय
04	सुझाव	श्रीमती भारती	टेलर, एच-II	पी 2	प्रथम
		श्री अनिल कुमार शुक्ला	कार्यवेक्षक	एफएंडए	द्वितीय
		कु. रक्षा देवी	अवर श्रेणी लिपिक	एफएंडए	तृतीय

गुणवत्ता माह में पुरस्कृत स्लोगन

क्रसं.	स्थान	स्लोगन	विजेता प्रतिभागी का विवरण
01	प्रथम	गुणवत्ता(क्वालिटी) उद्योग की शान है। और ग्राहक के चेहरे की मुस्कान है।	श्री विजय कुमार सुथार, कार्यवेक्षक, पी 2 अनुभाग
02	द्वितीय	क्वालिटी से रिश्ता मतलब, ग्राहक से जीवन भर का रिश्ता ॥	श्री सुधांशू आर्या, टेलर/उकु I, पी 4
03	तृतीय	मिल जुलकर गुणवत्ता को अपनाना है। उत्पदकता से व्यवसाय सफल बनाना है ॥	श्रीमती भारती/टेलर, एच-II/पी2 अनुभाग

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई खोज और नई स्फूर्ति प्रतिभा के लक्षण हैं..... विनोबा भावे

राजभाषा चिंतन
[हिंदी की संवैधानिक मान्यता]

12 सितंबर 1949 को संविधान सभा के जिन तीन सदस्यों ने हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा था, वे सभी हिंदीतर भाषी थे। सर्वप्रथम श्री गोपाल स्वामी आयंगार ने हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रावधान रखा था एवं श्री शंकर राव देन ने इसका समर्थन किया। ये दोनों हिंदीतर भाषी राष्ट्रभक्त नेता थे। हिंदी को राजभाषा बनाने संबंधी बहस दिनांक 12, 13 एवं 14 सितंबर 1949 को हुई थी, जिसमें कुल 71 सदस्यों ने भाग लिया था। संविधान सभा के बहस में हिंदी को ही राजभाषा बनाने के लिए एक मत से स्वीकार्यता दी गई थी। इसके अतिरिक्त अंकों से संबंधित निर्णय लिया गया कि शासकीय प्रयोग के लिए भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप को मान्यता दी गई। 14 सितंबर 1949 को संविधान निर्माताओं ने सर्वसम्मति से हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। जनभाषा हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया, इसलिए भारत वर्ष में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनभाषा हिंदी एक ऐसी भाषा रही है जो संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में लिखी, पढ़ी या बोली अथवा समझी जाती है। दूसरे शब्दों में हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि, ‘ हिंदी को किसी भाषायी श्रेष्ठता के कारण अखिल भारतीय भाषा नहीं बनाया गया है बल्कि इसलिए बनाया गया क्योंकि यह अधिकांश भागों में फैली हुई है। साथ ही सबसे अधिक आसान भी है ’

स्पष्ट है कि संविधान में हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में नहीं अपितु भारत संघ के राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया है। इसके लिए संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक प्रावधान किए गए। अनुच्छेद 343(1) में स्पष्ट किया गया है भारत संघ की राजभाषा हिंदी होगी और उसकी लिपि देवनागरी होगी।

(राजभाषा अनुभाग)

सेवा निवृत्ति एवं भावभीनी विदाई (30 नवंबर 2023)

क्र.स.	नाम(सर्वश्री)	पद/ट्रेड	वै.स./टिसं
1	राम बाबू बाजपेई	कार्यवेक्षक	835549
2	किशन लाल	कार्यवेक्षक	835530
3	काफ़िल अहमद	टेलर/एमसीएम	7990/एल
4	मो. हकीम	लाइन मिस्त्री/एमसीएम	7705/एल

स्वास्थ्य संबंधी लेख

रक्त दान क्यों है जरूरी

मानव जीवन तथा सामाजिकता के कारण किसी व्यक्ति को बीमारी या दुर्घटना जैसी स्थिति में उसके जीवन रक्षा हेतु हमें रक्तदान करना चाहिए। रक्त की आवश्यकता पड़ने पर उसे ब्लड बैंकों से लिया जाता है एवं ब्लड बैंकों में रक्त की उपलब्धता बनाए रखने के लिए रक्तदाताओं की आवश्यकता पड़ती है।

रक्तदान के फायदे: यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि रक्तदान से शरीर को भावनात्मक एवं शारीरिक लाभ मिलते हैं। मेंटल हेल्थ फाउंडेशन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार रक्तदान से हमारे मानसिक तनाव में कमी आती है, नकारात्मक भावनाओं से छुटकारा मिलता है एवं रक्तदान के समय स्वास्थ्य संबंधी मुफ्त जाँच किया जाता है जिससे शारीरिक लाभ के साथ-साथ धन की भी बचत होती है। फाउंडेशन ने यह भी उजागर किया है कि रक्तदान एक स्वस्थ संवहनी प्रणाली है एवं यह भी देखा गया है कि रक्तदान से दिल के दौरे का जोखिम कम हो जाता है।

रक्त दान के समय निम्नलिखित बातों को ध्यान देना आवश्यक है: 1. खूब पानी पिए- ज्यादा पानी पीने से नसों को ढूढ़ंना आसान हो जाता है एवं रक्त दान करते समय कमजोरी लगने की संभावना कम हो जाती है।

2. खाली पेट न रहेः रक्तदान के पूर्व जलपान अवश्य कर लें। रक्तदान के बाद भी चिकित्सकीय दिशा-निर्देशन में जो जलपान दिया जा रहा है उसको जरूर ग्रहण कर लें।

3. रक्त दान के पूर्व व्यायाम कर लेः चिकित्सकों द्वरा रक्तदान के पूर्व व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। रक्तदान के बाद व्यायाम से बचने की सलाह दी जाती है।

सेवा निवृत्त होने वाले विशिष्ट अतिथियों के साथ अस्थाई प्रभारी अधिकारी श्री एस.बैनर्जी

4. आयरन की गोलियाँ लेः अमेरिकन रेडक्रास द्वारा रक्तदान के बाद कुछ दिनों तक आयरन की गोलियाँ लेने की सलाह दी है।

वंदना वर्मा
टेलर, उच्च कुशल

रक्तवीर निर्माणी के कार्मिक श्री तजिंदर सि

तकनीकी लेख...

निर्माणी के उत्पादों में गुणवत्ता संबंधी सुधार

विदित हो कि देश एवं निर्माणी में प्रत्येक वर्ष नवंबर माह गुणवत्ता माह के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1989 में अन्तर्राष्ट्रीय मानक संगठन (ISO: International Standard Organization) द्वारा किया गया था। यह विभिन्न राष्ट्रों के मानक संगठनों के प्रतिनिधियों से गठित एक अन्तर्राष्ट्रीय मानक-विन्यास संस्था है। गुणवत्ता माह का प्रमुख उद्देश्य- विश्व के प्रत्येक क्षेत्र, उत्पादन अथवा अन्य क्षेत्रों में भी हमें अपनी गुणवत्ता बनाए रखने में अपना संपूर्ण योगदान देना है। आज के परिदृश्य में गुणवत्ता किसी निर्माणी अथवा कंपनी विशेष तक सीमित नहीं है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र जैसेः भोजन, कच्चे खाद्य पदार्थों, शिक्षा, व्यवसाय, मजदूरी में भी गुणवत्ता का अपना एक अलग महत्व है। गुणवत्ता माह मनाने का उद्देश्य भी यही है कि गुणवत्ता का संदेश समाज के हर क्षेत्र में पहुँचे एवं राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक अपने स्तर के अनुसार अपना-अपना योगदान दें।

किसी निर्माणी अथवा कंपनी में प्रायः यह देखा गया है कि कार्मिकों में आपसी तालमेल ठीक से नहीं होता है, जिससे किए गए कार्यों एवं उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। निर्माणी के सभी कार्मिकों को यह समझना होगा कि हमें निर्माणी के उत्थान के लिए आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करना है।

उपरोक्त बातों के अतिरिक्त हमें गुणवत्ता सुधार के लिए निम्नलिखित बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता हैः

1. समझदारी से निर्माणी एवं राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य करना है।
2. कार्मिकों में संप्रेषण क्षमता विकसित करना है जिससे वो अपनी बातों को वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष रख सकें । इसके लिए कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा सकता है।
3. किए गए कार्यों का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुनरीक्षण (vetting) भी आवश्यक है।
4. गलतियों पर नियंत्रण एवं जीरो एरर के मूलभूत सिद्धांत पर कार्य करना।
5. कार्मिकों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान देना।
6. उत्पादित उत्पादों को पुनरीक्षण के बाद ही बाजार में ग्राहकों तक पहुँचने दें।

मिंकू कुमार/कार्यवेक्षक

स्पष्ट है कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में किसी भी उत्पाद का उत्पादन निरंतर गुणवत्ता में सुधार की प्रक्रिया है। कोई निर्माणी हो या कंपनी, कोई बड़ा उद्यम हो या छोटा, हमारा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान होना चाहिए। हम यह भी कह सकते हैं कि निर्माणी का प्रत्येक कार्मिक अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से निभाते हुए अपने कार्यस्थल पर अपना कार्य सत्यनिष्ठा एवं तय मानकों के अनुरूप करें तो हमारे उत्पाद निश्चय ही उच्च गुणवत्तापरक होंगे।

हेलमेट की गुणवत्ता

सामान्य जीवन यापन कर रहे अधिकतर लोग दोपहिया वाहन के कारण हेलमेट का इस्तेमाल भी जरूर ही करते हैं| मार्ग दुर्घटना में सर की हिफाजत के साथ ही यह मौसम की मार से भी हम सबकी रक्षा करता है | कुछ समय पूर्व मार्ग दुर्घटना में हेलमेट ना होने से जान जाने जैसी बात सामने आने पर केन्द्र सरकार ने मोटर व्हीकल अधिनियम में बदलाव करके जुर्माना राशि में जबरदस्त रूप से बढोत्तरी करी थी| जुर्माना राशि बहुत ज्यादा होने के कारण ही पूरे देश में इसका विरोध भी हुआ और कुछ राज्यों ने अपने हिसाब से इसमें कुछ छूट या ढील भी दी| वैसे इस जुर्माना राशि को बढाने के पीछे मुख्य कारण आम जनता के मन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और लापरवाही के प्रति भय व्याप्त कराना था ताकि सडक दुर्घटनाओं पर लगाम कसी जा सके और सुगम यातायात संचालित किया जा सके| सख्ती से लागू होने के कारण आम लोगों के अन्दर बदलाव देखने को भी मिला और ज्यादातर वाहन चालक हेलमेट लगाकर चलते हुए देखे जा रहे हैं| इस सफलता के बाद हाल ही में दुपहिया वाहन में दोनों ही सवारियों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जा चुका है |

हेलमेट द्वारा सडक दुर्घटना जैसी स्थिति में सर की चोट पर काफी हद तक बचाव किया जा सकता है| लेकिन सामान्यतः ऐसा देखा जा रहा है कि अभी भी लोग हेलमेट का उपयोग सर की हिफाजत से कहीं ज्यादा चालान से बचने के लिए करते हैं| इसी कारण हेलमेट खरीदने के समय उसकी गुणवत्ता पर बिल्कुल ध्यान नही देते| कम से कम कीमत पर नुक्कड पर बिकने वाले हेलमेट का प्रयोग करने वाले बहुतायत में उपलब्ध हैं| ये निम्न गुणवत्ता के हेलमेट सडक दुर्घटना के समय वाहन चालक को और ज्यादा नुकसान पंहुचा देते हैं| कई बार अखबार में इस तरह की खबरें प्रकाशित होती रहती हैं कि सडक दुर्घटना होने पर हेलमेट टूटकर वाहन चालक के सर में फंस गया जिससे वह काल के गाल में समा गया | मंहगी दर पर बिकने वाले उच्च गुणवत्ता वाला हेलमेट खरीद पाने के लिए वह मानसिक रूप से खुद को तैयार नही कर पाता और सस्ते हेलमेट को खरीदकर काम चला लेना चाहता है |

श्री अभिषेक मिश्रा
टेलर/उकु-I

ऐसी गम्भीर स्थिति में सरकार को निम्न गुणवत्ता वाले हेलमेट का उत्पादन ही बन्द करा देना चाहिए और एक निश्चित मानक की गुणवत्ता वाला हेलमेट ही बाजार में उपलब्ध होना चाहिए| ऐसे हेलमेट की न्यूनतम कीमत सरकार को हेलमेट निर्माता कम्पनी के साथ बैठकर निर्धारित करनी चाहिए। अगर जरूरत महसूस हो तो कुछ समय के लिए सब्सिडी देकर भी हेलमेट की को नियन्त्रित किया जा सकता है क्योंकि जुर्माना राशि बढाकर सरकार की पहली प्राथमिकता लोगों की मार्ग दुर्घटना में हिफाजत होनी चाहिए ना कि सरकारी खजाना भरना।

अभिप्राय में उदारता, कार्य संपादन में मानवता, सफलता में संयम, इन्हीं तीनों चीजों से महान व्यक्ति माना जाता है .... बिस्मार्क

ओपीएफ, कानपुर एवं भारतीय औद्योगिक एसोसिएशन(आईआईए), कानपुर के तत्वावधान में इन्ड्रस्ट्रियल मीट का आयोजन

दिनांक 24.11.2023 को ओपीएफ, कानपुर एवं भारतीय औद्योगिक एसोसिएशन, कानपुर के तत्वावधान में एक इन्ड्रस्ट्रियल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम ने जीआईएल कॉरपोरेट मुख्यालय के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया । इन्ड्रस्ट्रीयल मीट में कानपुर के अन्य उद्यमियों ने भी सहभागिता की एवं ओपीएफ से जुड़ने के लिए अपनी अभिरूचि दिखाई। इस अवसर पर जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी एवं ओपीएफ के महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम के साथ संयुक्त महाप्रबंधक श्री विवेक गुप्ता एवं कोनन कुमार टोप्पो , कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा एवं श्री अमरदीप कुमार भी उपस्थित थे।

इन्ड्रस्ट्रीयल मीट के विविध दृश्य

मुख्य संरक्षक	श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक	**तकनीकी समीक्षा हेतु प्रकाशन बोर्ड के सदस्य**	
संरक्षक	श्री एस बैनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक	श्री अभिषेक मिश्रा, टेलर/उकु-I/पी 5	सचिव
सह संरक्षक	श्री कोनन कु. टोप्पो, संयुक्त महप्रबंधक	श्रीमती वंदना वर्मा, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
मुख्य संपादक	श्री रुपेश कुमार, कार्यप्रबंधक	श्रीमती संगीता शाह, टेलर/उकु I/पी3	सदस्य
पत्रिका के निदेशक	श्री ओमेश सिन्हा, कार्यप्रबंधक	श्री आदित्य कुमार, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
प्रकाशन प्रबंधक	श्री अमर दीप कुमार, कार्यप्रबंधक	श्री प्रवीन मिश्रा, टेलर/उकु I/पी4	सदस्य
विषय-वस्तु प्रबंधक	श्री प्रियम सिंह, सहायक कार्यप्रबंधक	श्री तंजिदर सिंह, टेलर/उकु I/ पी5	सदस्य
	श्री के.डी. मिश्रा, क. का.प्रबंधक (एसजी)	श्री आशीष कुमार द्विवेदी, टेलर/उकु I/ पी2	सदस्य
	श्री परिवेश गुप्ता, जेटीओ	श्री कामिल खान, टेलर/उकु I/ पी6	सदस्य
कोषाध्यक्ष	श्री अमित कु.श्रीवास्तव, क. का.प्रबंधक (एसजी)	श्री सुशील गौतम टेलर/उकु I/ पी6	सदस्य
कॉलम संपादक	श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, परीक्षक	श्री अविनेश कु. दूबे टेलर/उकु I/क्यूसी(एम)	सदस्य
		श्री रंजन उपाध्याय, यूडीसी/एचआरडी	सदस्य
		कु. रक्षा देवी, एलडीसी/एफएंडए	सदस्य

जो व्यक्ति स्वभाव से ही धैर्यवान है, वह महान् विपत्ति के समय भी अधीर नहीं होता है। .... भर्तृहरि